RPSC ACF And Forest Range HORTICULTURE Officer Syllabus 2022

Introduction:-

हमारे द्वारा Rajasthan Public Service Commission (RPSC) ACF And Forest Range Officer भर्ती के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई अगर आप राजस्थान RPSC ACF And Forest Range Officer परीक्षा की तैयारी कर रहे हो तो पोस्ट आपके लिए अति महत्वपूर्ण है इस आर्टिकल में RPSC RPSC ACF And Forest Range Officer के सिलेबस के बारे में जानकारी दी गई है साथ ही आप अपने सब्जेक्ट के अनुसार नीचे दी गई लिंक के द्वारा PDF डाउनलोड कर सकते है वे उम्मीदवार जिन्होंने इसका ऑनलाइन आवेदन किया है उनके लिए निवनतम एग्जाम पैटर्न दिया गया है जो आपके लिए तैयारी करने में काम आएगा।

NAME OF SELECTION BOARD	Rajasthan Public Service Commission
POSTS NAME	RPSC ACF And Forest Range Officer
OFFICIAL WEBSITE	Rpsc.rajasthan.gov.in/
Category	Latest Syllabus
EXAM DATE	Coming soon

RPSC ACF And Forest Range Officer Exam Pattern:-

Paper	Subjects	Question Number	Marks
1	General Knowledge	100	100
2	General English	100	100
3	OPTIONAL SUBJECT - I	120	200
4	OPTIONAL SUBJECT - II	120	200

5	Interview		75

RPSC ACF And Forest Range Officer HORTICULTURE Syllabus 2021 Topc Wise

OPTIONAL SUBJECT - HORTICULTURE

यूनिट 1

- बुनियादी बागवानी : बागवानी : महत्व और कार्यक्षेत्र। फलों के पोषक मूल्य और सब्जियां।
- बागवानी की वृद्धि और विकास को प्रभावित करने वाले जलवायु पैरामीटर फसलें।
- बागों की स्थापना के लिए स्थल चयन। रोपण की प्रणाली और लेआउट बाग। पौध पोषक तत्वों का पोषण, खाद और पर्ण भक्षण।
- पोषक तत्व के लक्षण कमियां और अधिकता। बागवानी फसलों का जल प्रबंधन। खरपतवार प्रबंधन यांत्रिक, सांस्कृतिक, जैविक, रासायनिक विधियों द्वारा। बाग मिट्टी प्रबंधन अभ्यास।
- बागवानी फसलों के महत्वपूर्ण रोगों एवं कीटों का प्रबंधन।
- प्रशिक्षण और फलों के पेड़ों की छंटाई, उनके सिद्धांत, उद्देश्य और तरीके।
- निष्फलता कारक उसी को दूर करने के लिए जिम्मेदार और उपाय। विशेष बागवानी प्रथाएं जैसे पिंचिंग, करधनी, नुकीला, बजना, झुकना, स्मज करना, बहार उपचार।
- पौधे की भूमिका बागवानी में विकास नियामक। विंडब्रेक और शेल्टर बेल्ट का उपयोग।

यूनिट 2

- पादप प्रवर्धन एवं पौधशाला प्रबंधन : पादप प्रवर्धन : मूल अवधारणाएँ। निष्क्रियता के प्रकार।
- अलैंगिक प्रसार के तरीके-कटेज, लेयरिंग, नवोदित और रूटस्टॉक्स ग्राफ्टिंग
- कटिंग और लेयरिंग में रूटिंग को प्रभावित करने वाले कारक। प्रभावित करने वाले तत्व ग्राफ्ट्स का संघ।
- स्टॉक-साइंस संबंध। भ्रष्टाचार असंगति और इसके कारण और उपचार उसी पर काबू पाने के लिए।
- व्यावसायिक नर्सरी की स्थापना। द्वारा प्रचार विशेष अंग जैसे चूसने वाले, प्रकंद, कॉर्म, बल्ब, रनर, स्टोलन। धुंध प्रसार, सूक्ष्म प्रसार, जैव प्रौद्योगिकी की भूमिका। ऊतक संवर्धन।
- फल फसलों का कायाकल्प। पादप प्रसार में वृद्धि नियामकों का उपयोग। प्रचार मीडिया और कंटेनर।

यूनिट 3

- फल उत्पादन : राजस्थान में फल उत्पादन का महत्व, कार्यक्षेत्र और वर्तमान स्थिति और भारत।
- क्षेत्र और उत्पादन, भौगोलिक वितरण, महत्वपूर्ण किस्में, प्रसार के तरीके, मिट्टी और जलवायु की आवश्यकताएं।
- लेआउट और रोपण, खाद, सिंचाई, प्रशिक्षण और छंटाई, अंतरफसल, खरपतवार नियंत्रण।
- कटाई, ग्रेडिंग, आम, केला, साइट्रस, अमरूद, पपीता, अनार, की पैकेजिंग, विपणन और भंडारण आंवला, इमली, बेर, करोंदा, सेब, खजूर, लसोड़ा, बेल।
- महत्वपूर्ण का प्रबंधन उपरोक्त फल फसलों के कीट एवं रोग। वैकल्पिक रूप से फल संवर्धन में विशेष समस्याअसर, विकृति, स्पंजी ऊतक, आम का काला सिरा, सेब में कड़वा गड्ढा, वापस मरना और साइट्रस में दाना, अमरूद में ब्रोंजिंग, अनार, बेल आदि में फल फटना।
- उच्च फल फसलों में घनत्व रोपण। मिट्टी की लवणता और क्षारीयता के लिए फल फसलों की उपयुक्तता।

यूनिट 4

- सब्जी उत्पादन : पोषण एवं आर्थिक दृष्टि से सब्जियों का महत्व सुरक्षा। भारत और राजस्थान में सब्जियों की वर्तमान स्थिति।
- सब्जी का वर्गीकरण फसलें। सब्जी की खेती के प्रकार।
- जलवायु, मिट्टी, उन्नत किस्में, नर्सरी उगाना, रोपण, खाद, सिंचाई, खरपतवार नियंत्रण, अंतरसांस्कृतिक संचालन, विकास का उपयोग टमाटर, बैंगन, मिर्च, भिंडी जैसी सब्जियों में नियामक, विशेष अंतरसांस्कृतिक प्रथाएं, कुकुरबिट्स, क्लस्टर बीन, कोल फ़सल, रूट फ़सल, गार्डन मटर और आलू। फसल, उपज, सब्जियों की ग्रेडिंग, पैकिंग, भंडारण और विपणन।
- आईएनएम (एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन) और सब्जी उत्पादन में स्टार्टर समाधान का उपयोग। पॉली हाउस की खेती शिमला मिर्च, खीरा और टमाटर से।

यूनिट 5

- सजावटी बागवानी, सुगंधित और औषधीय फसलें: का महत्व और कार्यक्षेत्र सजावटी बागवानी और फूलों की खेती।
- उद्यान डिजाइनिंग के सिद्धांत, उद्यान के प्रकार,उद्यान सुविधाएँ और अलंकरण।
- लॉन घास के प्रकार, वार्षिक फूल, झाड़ियाँ, पेड़, पर्वतारोही और लताएं, शाकाहारी पौधे, हथेलियां और बागवानी में उनका उपयोग। लॉन बनाना, रॉकरी, फूलों की व्यवस्था, बोन्साई, टोपरी का काम।
- गुलाब की खुली खेती, गुलदाउदी, ग्लेडियोलस, चमेली, गेंदा। संरक्षित खेती और उसका दायरा और भारत में समस्याएं। गुलाब, जरबेरा की संरक्षित खेती।
- लेमन ग्रास की खेती, वेटिवर, अफीम, इसबगोल, अश्वगंधा आदि।

यूनिट 6

- बागवानी उत्पादों की कटाई के बाद की तकनीक: फलों का महत्व और दायरा और सब्जियों का संरक्षण।
- परिपक्वता सूचकांक और फलों और सब्जियों की कटाई।
- पकने और फलों के पकने से जुड़े परिवर्तन, जल्दी करने और देरी करने के तरीके पकने वाला। फसल कटाई के बाद के नुकसान, उनके कारण और रोकथाम। प्रीकूलिंग, ग्रेडिंग, पैकिंग, भंडारण और परिवहन, भंडारण संरचनाएं, भंडारण के प्रकार। को नियंत्रित वातावरण भंडारण, संशोधित भंडारण, ठंड संरक्षण। के सिद्धांत और तरीके फल और सब्जी संरक्षण।
- फलों के रस, स्क्वैश की तैयारी और संरक्षण, सिरप, सौहार्दपूर्ण, जैम, जेली मुरब्बा, फल संरक्षित, कैंडी, अचार और केचप। कैनिंग फलों और सब्जियों की।
- फलों और संरक्षित उत्पादों के खराब होने के कारण। निर्जलीकरण और फलों और सब्जियों का सूखना। प्रमुख फलों का अपशिष्ट और उप-उत्पाद उपयोग और सब्जियां। खाद्य उत्पाद आदेश (F.P.O.) विनियम।

यूनिट 7

- मसाले और मसाले: मसालों का महत्व, वर्तमान स्थिति और भविष्य का दायरा और भारत और राजस्थान में मसालों की फसलें।
- विभिन्न मसालों की खेती का पहलू और मसाले: काली मिर्च, अदरक, हल्दी, मिर्च, जीरा, मेथी, सौंफ, धनिया, अजोइवान, डिल.

इकाई 8

- वानिकी और कृषि वानिकी: वनों का महत्व, वनों की कटाई के कारण और प्रभाव। वनरोपण।
- वानिकी की शाखाएँ। कृषि वानिकी- कार्यक्षेत्र, लाभ और सीमाएँ। फसलों के साथ वृक्षों की पारस्परिक क्रिया। कृषि वानिकी प्रणाली- कृषि-वनपालन, सिल्वी-चारागाह, बागवानी-चारागाह, हॉर्टि-सिल्वी चारागाह।
- हॉर्टी-सिल्वी पशुचारण प्रणाली- परिचय, भूमि उपयोग भारतीय कृषि और वानिकी के विशेष संदर्भ में नियोजन, चारे वाले पेड़ घास और फलियां।
- वन वृक्ष प्रजातियों के पुनर्जनन के तरीके। में चल रहा संचालन वानिकी।

नोट :- प्रश्न पत्र का पैटर्न

1. वस्तुनिष्ठ प्रकार का पेपर
2. अधिकतम अंक : 200
3. प्रश्नों की संख्या : 120
4. पेपर की अवधि : तीन घंटे
5. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
6. निगेटिव मार्किंग होगी।

RPSC ACF And Forest Range Officer Syllabus 2021 Subject Wise

GENERAL KNOWLEDGE
GENERAL ENGLISH
ELECTRICAL ENGINEERING
COMPUTER ENGINEERING
CHEMISTRY
COMPUTER APPLICATION/SCIENCE
ELECTRONICS ENGINEERING
AGRICULTURAL ENGINEERING
ENVIRONMENTAL SCIENCE
BOTANY
GEOLOGY
ZOOLOGY
PHYSICS
AGRICULTURE
STATISTICS
MATHEMATICS
HORTICULTURE
MECHANICAL ENGINEERING
CIVIL ENGINEERING
FORESTRY
CHEMICAL ENGINEERING
VETERINARY SCIENCE

IMPORTANT LINKS
RPSC ACF And Forest Range Officer Syllabus PDF
Official Website

इस नोटिफिकेशन से सबंधित कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न:-

1. ***RPSC ACF And Forest Range Officer कितने अंको का होता है?***

उत्तर: 675

2. ***RPSC ACF And Forest Range Officer पेपर में कितने प्रश्न आते है?***

उत्तर: 440

3. ***RPSC ACF And Forest Range Officer पेपर में कितना समय मिलता है?***

उत्तर: इस नोटिफिकेशन में आप देख सकते हो।

4. ***RPSC ACF And Forest Range Officer Syllabus in hindi. ?***

उत्तर: इस नोटिफिकेशन में आप देख सकते हो।

शिक्षा जगत की लेटेस्ट अपडेट पाने के लिए हमारे टेलीग्राम चैनल को सब्सक्राइब करें

Telegram Channel Link

https://t.me/helpstudentpoint

Visit Our Website

www.HelpStudentPoint.com

Download Our Mobile App

https://bit.ly/appshsp